# देश की पहली रोपवे सिटी बनेगी काशी, स्टेडियम भी मिलेगा

## मां अन्नपूर्णा मंदिर के स्वर्णमंडित शिखर से दमकेगी काशी की आभा

माई सिटी रिपोर्टर

**वाराणसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में 2025 में दो बड़े प्रोजेक्ट पूरे होंगे। देश के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का संचालन मई 2025 तक शुरू होगा। इस तरह काशी दुनिया की तीसरी और देश की पहली रोपवे सिटी बन जाएगी। वहीं, गंजारी में बन रहा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम भी शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2025 में इसका उद्घाटन करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड बनारस और मजबूत होगा। बाबा विश्वनाथ को भिक्षा देने वाली माता अन्नपूर्णा मंदिर का शिखर स्वर्णमंडित होगा। इससे काशी की आभा और दमक उठेगी।

गंजारी स्टेडियम के बनने से काशी पर्यटन का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगी। यह देश का पहला स्टेडियम होगा जिसके भवन व डिजाइन में बाबा

विश्वनाथ और उनकी नगरी काशी की झलक दिखेगी। एक साथ 30 हजार दर्शक मैच का आनंद उठा सकेंगे। 451 करोड़ की लागत से बन रहे स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर बेलपत्रों की डिजाइन होगी।

कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक बनने वाले रोपवे की लंबाई 3.75 किमी है। 153 ट्राली का संचालन होगा। 16 मिनट में यह यात्रा पूरी होगी। कैंट के सेकेंड इंट्री द्वार का विस्तार होगा। इसी के साथ रेलवे नेटवर्क मजबूत होगा। राजघाट के पास रेल रोड ब्रिज की नींव रखी जाएगी। ककरमत्ता रेलवे क्रासिंग पर अंडरपास बनेगा।

### *काशी में और बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं*

*मानसिक अस्पताल परिसर पांडेयपुर में 400 बेड का मेडिकल कालेज मिलेगा। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक काम शुरू होगा। आईएमएस बीएचयू के ट्रामा सेंटर परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट की सुविधा मिलेगी। नेशनल जीरियाट्रिक सेंटर से बुजुर्गों की देखरेख आसान होगी। शहर के दो प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों पर डायलिसिस की निशुल्क सेवा शुरू की जाएगी।*

**सौगात**

## रोहतक तक जाएगी महामना एक और वंदे भारत मिलेगी

**वाराणसी।** गुजरते साल में वाराणसी को रेल परिवहन में कई सौगातें मिलीं। एक के बाद एक बनारस की झोली में देश की सेमी हाईस्पीड पांच वंदे भारत ट्रेन आई। आने वाले नए साल में भी रेल यात्रियों का सफर सुहाना होगा। मकर संक्रांति के बाद महामना एक्सप्रेस को दिल्ली के बजाए रोहतक तक चलाया जाएगा। रोहतक, नई दिल्ली और वाराणसी का जुड़ाव महामना से होगा। पांच नए कोच बढ़ेंगे। इसके अलावा मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को भी वाराणसी से जोड़ने की तैयारी है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की ओर से रूट का सर्वे कराया जा रहा है। संभावना है कि महाकुंभ के दौरान ही इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। वाराणसी से नई दिल्ली रूट पर सुबह और अपराह्न दो वंदे भारत, झारखंड के देवघर और रांची के बीच दो वंदे भारत और पटना-लखनऊ वाया वाराणसी के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस और आगरा-बनारस के बीच एक वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधाएं वर्तमान में हैं। वाराणसी से छह वंदे भारत ट्रेनें संचालित होती हैं। ऐसे में मेरठ-लखनऊ वंदे भारत को वाराणसी से संचालन किए जाने पर सातवीं सौगात होगी। वहीं, 16 कोच की महामना एक्सप्रेस में पांच और कोच बढ़ेंगे। ब्यूरो